**M 213 Sk1**

**Sk1** ist die Verlaufsskizze zu „Schien mir’s, als ich sah die Sonne“ M 213. ###

Textkritischer Kommentar:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Takt | System | Ort im Takt | Kommentar |
| {4A} |  |  | Durch Einkreisung in System 3–4 pauschal gestrichen. |
| 6 | 6 |  | Bezug unklar. Möglicherweise alternative Formulierung für T. 6 Klav. u. (System 4). |
| 6 | 1 | 3/8 | [b]b1 (?) gestrichen und ersetzt durch [a]g1. |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |

**M 213 Sk2**

**Sk2** überarbeitet ##

Textkritischer Kommentar:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Takt | System | Ort im Takt | Kommentar |
|  |  |  |  |

**M 213 Sk3**

**Sk3** ergänzt ###

Textkritischer Kommentar:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Takt | System | Ort im Takt | Kommentar |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |